जामिया मिल्लिया इस्लामिया
जनसंपर्क एवं मीडिया समन्वयक कार्यालय

19 जुलाई 2020

प्रेस विज्ञप्ति

एमएचआरडी मूल्यांकन के तय लक्ष्यों पर, जामिया ने 'आउटस्टैडिंग पर्फार्मन्स' की उपलब्धि हासिल की

जामिया मिल्लिया इस्लामिया के लिए यह बहुत गर्व की बात है कि उसने, मानव संसाधन विकास मंत्रालय (एमएचआरडी) द्वारा निर्धारित मूल्यांकन के लक्ष्यों में बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए 'आउटस्टैडिंग पर्फार्मन्स' की उपलब्धि हासिल की है।

एमएचआरडी के एक पत्र में संकेत दिया गया है कि वर्ष 2019-20 के लिए तय ओवरआल एसेस्मंट में जामिया ने 95.23 प्रतिशत अंक पाए हैं। यह इस बात का द्योतक है कि जामिया प्रशासन और फैकल्टी सदस्य, लक्ष्य प्राप्त करने पर पूरा ध्यान केंद्रित किए हुए हैं और उनमें लक्ष्यों को हासिल करने की क़ाबलियत है।

कुछ महत्वपूर्ण मापदंडों में केंद्रीय विश्वविद्यालयों के प्रदर्शन का स्तर बढ़ाने के उद्देश्य से, सभी केन्द्रीय विश्वविद्यालयों को एमएचआरडी और यूजीसी से एक त्रिपक्षीय सहमति पत्र पर हस्ताक्षर करने थे। 2017 में जामिया इस सहमति पत्र पर हस्ताक्षर करने वाला वह पहला विश्वविद्यालय था जिसने खुद को पर्फार्मन्स मूल्यांकन के लिए पेश किया।

यह मूल्यांकन छात्र विविधता और इक्विटी, फैकल्टी की गुणवत्ता, अकादमिक परिणाम, अनुसंधानों का स्तर, आउटरीच, संचालन, वित्त, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय रैंकिंग और एक्स्ट्रा करिक्यूलर गतिविधियों जैसे मापदंडों पर आधारित है।

जामिया की कुलपति प्रो नजमा अख्तर ने इस शानदार प्रदर्शन पर खुशी और संतुष्टि जताई और कहा कि विश्वविद्यालय हाल के दिनों में जिस चुनौतीपूर्ण वक़्त से गुज़रा है, उसकी वजह से यह उपलब्धि और भी ज़्यादा महत्वपूर्ण है।

उन्होंने जामिया की छवि में इस सुधार का श्रेय, विश्वविद्यालय में उच्च गुणवत्ता वाले शिक्षण और प्रासंगिक तथा फोकस्ड उच्च स्तरीय रिसर्च को दिया। उन्होंने उम्मीद जताई कि आने वाले वर्षों में विश्वविद्यालय के प्रदर्शन में और ज़्यादा सुधार होगा।

जामिया रैंकिंगः

उल्लेखनीय है कि एमएचआरडी के एनआईआरएफ में, जामिया को यूनिवर्सिटियों की श्रेणी में देश में 10 वें स्थान पर रखा गया है, जो पिछले साल के बारहवें दरजे से बेहतर है। ओवरऑल कैटगोरी में, पिछले साल की 19 वीं पोज़िशन से अच्छा प्रदर्शन करते हुए जामिया ने इस बार 16 वां रैंक पाया है। इस कैटगोरी में आईआईटी, आईआईएम, आईआईएससी जैसे शीर्ष तकनीकी संस्थान और विश्वविद्यालय शामिल हैं।

यही नहीं, जामिया ने लगातार तीसरे साल प्रतिष्ठित क्वैकरेलेली साइमंड्स (क्यूएस) वर्ल्ड यूनिवर्सटी रैंकिंग-2021 में अपनी रैंकिंग को बरकरार रखा। इस साल क्यूएस द्वारा मूल्यांकन के लिए विश्वविद्यालयों की संख्या काफी बढ़ाए जाने के बावजूद, जामिया ने 751-800 की श्रेणी में अपनी जगह बनाए रखी।

क्वैकरेलेली साइमंड्स की इंडिया यूनिवर्सिटी रैंकिंग 2020 में भी जामिया की रैंकिंग में बड़ा सुधार आया है। साल 2019 में पाए 28 वें रैंक की बनिस्बत, 2020 में इसे 21 वां स्थान दिया गया है।

जामिया मिल्लिया इस्लामिया, भारत के उन गिने-चुने शैक्षणिक संस्थानों में से एक है जिसने लंदन आधारित टाइम्स हायर एजुकेशन (टीएचई) की वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग 2020 में भी अपनी रैंकिंग में सुधार किया है। 801-1000 की श्रेणी से बेहतरी करते हुए जामिया को 601-800 की रैंकिंग में जगह दी गई है। पहले 200 वाले रैंक के बाद, टीएचई संस्थानों को व्यक्तिगत रैंक के बजाय रैंक समूहों में जगह देता है।

मॉस्को आधारित राउंड यूनिवर्सिटी रैंकिंग (आरयूआर) 2020 में दुनिया भर के 1100 विश्वविद्यालयों के बीच, जामिया को 538 वां रैंक दिया गया है। यह पिछले साल के साल 631 वें रैंक की बनिस्बत बहुत अच्छा सुधार है।

पिछली जुलाई को, आउटलुक-आईसीएआरई इंडिया यूनिवर्सिटी रैंकिंग 2019 ने विश्वविद्यालय को शीर्ष 25 केंद्रीय विश्वविद्यालयों में तीसरा और भारत के शीर्ष 100 विश्वविद्यालयों में 17 वें स्थान दिया है।

अहमद अज़ीम
जनसंपर्क अधिकारी एवं मीडिया समन्वयक